सांध्य दैनिक
4PM

अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो तो पहले सूरज की तरह जलो।
-डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 90 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार 6 मई, 2026

टी20 रैंकिंग में भारत शीर्ष पर... 7 | 26 के ये चुनाव नतीजे देश की... 3 | उत्तर प्रदेश में पीडीए की काट... 2

चुनाव के बाद हिंसा में जला पश्चिम बंगाल

जनता का सवाल-लोकतंत्र की धरती या भीड़तंत्र का रणक्षेत्र

» हालात बेकाबू, गोलीबारी में पुलिस और केंद्रीय बलों के 5 जवान घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव खत्म हो चुके हैं और नतीजे सामने आ चुके हैं। लेकिन राज्य के अलग-अलग इलाकों से जो तस्वीरें सामने आ रही हैं वह दिल दहला देने वाली है। चारो तरफ उपद्रव, हिंसा का तांडव हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि अब तो पुलिस पर सीधा हमला किया जा रहा है। देर रात संदेशखाली में बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। इस दौरान गोलीबारी में पुलिस और केंद्रीय बलों के 5 जवान भी घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बंगाल में ताबड़तोड़ हिंसा ने सिस्टम पर एक बड़ा सवाल लगा दिया हैं। पश्चिम बंगाल में कहीं घर जल रहे हैं तो कहीं राजनीतिक बदले की आग में आम लोग झुलस रहे हैं और इस पूरे सियासी तूफान के बीच खड़ी हैं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, जिन्होंने हार मानने से साफ इनकार कर दिया है। ममता बनर्जी का आरोप है कि हम बीजेपी से नहीं चुनाव आयोग से हारे हैं। ममता बनर्जी यहीं नहीं रूकी है और उन्होंने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े करते हुए पश्चिम बंगाल के सभी पोलिंग बूथ के सीसीटीवी फुटेज जारी करने की मांग की है। उनका दावा है कि उन्हें पोलिंग बूथ और काउंटिंग सेंटर पर जाने से रोका गया मारा गया उनके कार्यकर्ताओं को मार कर भगा दिया गया। एक सिटिंग सीएम के इस तरह के आरोपों से पूरी लोकतांत्रिक प्रक्रिया ही सवालों के घेरे में आ गयी है।

जनता पूछ रही है सवाल

जनता सवाल पूछ रही है कि क्या सच में वोटों की लूट हुई? क्या ईवीएम से छेड़छाड़ हुई? क्या वोटर्स को वोट डालने से रोका गया? और सबसे बड़ा सवाल है कि क्या एक मुख्यमंत्री को काउंटिंग सेंटर तक जाने से रोका जा सकता है? अगर ऐसा हुआ है तो यह सिर्फ एक नेता के साथ अन्याय नहीं ये लोकतंत्र की हत्या है। राज्य में जो माहौल है वह डर का है, दहशत का है, और सबसे खतरनाक बेखौफ भीड़ का है। भीड़ जो कानून से ऊपर खुद को समझती है। भीड़ जो तय करती है कि कौन जिएगा और कौन चुप रहेगा। यह वही बंगाल है जिसने कभी बुद्धिजीवियों को जन्म दिया लेकिन आज वहीं बंगाल सवालों के घेरे में है। क्या यह चुनाव था या सियासी युद्ध?, क्या यह लोकतंत्र है या भीड़तंत्र? आज की यह खबर सिर्फ खबर नहीं है बल्कि यह चेतावनी है कि अगर आज नहीं संभले तो कल ये आग हर राज्य तक पहुंच सकती है।

वोट चोरी के साथ सीना जोरी : राहुल गांधी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा पर एक बार फिर वोट चोरी का आरोप लगाया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि वोट चोरी से कभी सीटें चुराई जाती हैं कभी पूरी सरकार। अब बीजेपी वोट चोरी के साथ सीना जोरी भी कर रही है। उन्होंने लिखा है कि लोकसभा के 240 भाजपा सांसदों में से मोटे तौर पर हर छठा सांसद वोट चोरी से जीता है। पहचानना मुश्किल नहीं क्या उन्हें भाजपा की भाषा में घुसपैठिए कहें? और हरियाणा वहां तो पूरी सरकार ही घुसपैठिया है। उन्होंने लिखा कि जो संस्थाएं अपनी जेब में रखते हैं जो मतदाता सूचियों और चुनावी प्रक्रिया को तोड़ मरोड़ देते हैं। वह खुद रिमोट से नियन्त्रित हैं। उन्हें असली डर सच्चाई का है। क्योंकि निष्पक्ष चुनाव हो जाएं तो आज ये 140 के पास भी नहीं जीत सकते। राहुल गांधी ने कहा कि वोट चोरी से कभी सीटें चुराई जाती हैं कभी पूरी सरकार। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी होती है और अगर चुनाव पूरी तरह साफ सुथरे हों तो नतीजे अलग हो सकते हैं। वहीं इससे पहले चुनावी नतीजों के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि असम और पश्चिम बंगाल में चुनाव चोरी किए गए हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा था कि असम और पश्चिम बंगाल ऐसे स्पष्ट उदाहरण हैं जहां भाजपा ने चुनाव आयोग के समर्थन से चुनाव चुराया है। हम सीएम ममता बनर्जी से सहमत हैं। पश्चिम बंगाल में 100 से ज्यादा सीटें चुराई गईं। हमने पहले भी मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र और 2024 के लोकसभा चुनाव में यह तरीका देखा है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि चुनाव चोरी संस्था चोरी अब और चारा ही क्या है। इससे पहले टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने भी भाजपा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने 100 से ज्यादा सीटें लूट लीं। चुनाव आयोग भाजपा का आयोग बन गया है। आपको लगता है कि यह जीत है? यह एक अनैतिक जीत है। चुनाव आयोग ने जो कुछ भी किया वह पूरी तरह से गैर-कानूनी और लूट है।

संदेशखाली में गोलीबारी

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली इलाके में देर रात से बड़े पैमाने पर हिंसा हुई है। इस दौरान गोलीबारी में पुलिस और केंद्रीय बलों के 5 जवान भी घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। न्याजत पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत संदेशखाली में ग्रामीणों को डराने-धमकाने की शिकायत मिलने के बाद मौके पर पहुंची टीम पर हमला किया गया। हमले में तीन पुलिसकर्मी और केंद्रीय बल के दो जवान घायल हो गए। सभी घायल जवानों को कोलकाता के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने मौके पर छापेमारी कर सॉकेट बम बरामद किए और कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। फिलहाल मामले में आगे की जांच जारी है। एक स्थानीय महिला ने बताया है कि पुलिस आई थी। हमें कुछ नहीं पता। हम अपने परिवार के साथ घर के अंदर थे। पुलिस हमारे घर में घुसी और मेरे पति को अपने साथ ले गई। मेरे पति बेकसूर हैं। मुझे नहीं पता कि पुलिस उन्हें अपने साथ क्यों ले गयी। एक अन्य महिला के मुताबिक कुछ लोगों का एक समूह इधर उधर घूम रहा था। वह कुछ जगहों को नुकसान पहुंचा रहे थे और अफरा तफरी मचा रहे थे। जब उन्होंने पुलिस को देखा तो सभी अलग अलग दिशाओं में भागने लगे और अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। हमें समझ ही नहीं आया कि क्या हो रहा था। इस बार संदेशखाली विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है। भाजपा के उम्मीदवार सनत सरदार ने 17,510 वोटों के अंतर से टीएमसी की झारना सरदार को हराया है।

उत्तर प्रदेश में पीडीए की काट भाजपा के पास नहीं: अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- भाजपा बौखलाई हुई है

» पुलिस प्रशासन का अवैध इस्तेमाल कर बंगाल में हुई वोट की शर्मनाक लूट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर एकबार फिर करारा प्रहार किया है। सपा मुखिया ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा ने वोट की शर्मनाक लूट की। पुलिस प्रशासन का अवैध इस्तेमाल करने में उसे कतई संकोच नहीं किया। उत्तर प्रदेश में पीडीए की काट भाजपा के पास नहीं है। पीडीए का वोट सबसे ज्यादा है। इसलिए भाजपा बौखलाई हुई है।

अखिलेश मंगलवार को प्रदेश सपा मुख्यालय पर बड़ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 27 के विधानसभा चुनाव में लोकतंत्र और संविधान दोनों को बचाने की बड़ी लड़ाई होगी। सपा आधी आबादी को प्रतिनिधित्व देने के लिए संकल्पित है। महिलाओं का आरक्षण पार्टी आधारित होना चाहिए। पहले जातीय जनगणना हो, फिर आबादी के अनुपात में आरक्षण की व्यवस्था लागू हो। इस दौरान सपा अध्यक्ष ने प्रतापगढ़ के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में टॉपर छात्रों सत्यम यादव एवं ईशान शुक्ला को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा कि उनकी पार्टी का 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) गठजोड़ महिलाओं के आरक्षण के पक्ष में है और इसे जल्द लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि सरकार इस मुद्दे पर चुप रहती है, तो समाजवादी पार्टी इसे एक बड़े जन आंदोलन में बदल देगी और हर सप्ताह अलग-अलग स्थानों पर इसे उठाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें मोदी ने पहले समाजवादी पार्टी पर संसद में महिला आरक्षण का विरोध करने का आरोप लगाया था। यह मांग ऐसे समय आई है जब हाल ही में संसद में महिला आरक्षण से जुड़ा संविधान संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका। लोकसभा में इसे दो-तिहाई बहुमत नहीं मिला। 298 सांसदों ने समर्थन किया, जबकि 230 ने विरोध किया, जबकि पारित होने के लिए 352 वोट जरूरी थे। विश्लेषकों का मानना है कि समाजवादी पार्टी 27 चुनाव से पहले महिलाओं और पीडीए वोट बैंक को साधने की रणनीति पर काम कर रही है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रतापगढ़ जनपद के हाईस्कूल तथा इंटरमीडिएट परीक्षा में टापर छात्रों सत्यम यादव एवं ईशान शुक्ला को लैपटाप देकर सम्मानित किया।

विधानसभा चुनाव से पहले लागू हो महिला आरक्षण

अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार से मांग की है कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले प्रावधान को 27 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में तुरंत लागू करने की घोषणा की जाए। समाजवादी पार्टी प्रमुख ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को चुनौती देते हुए कहा कि या तो वह 27 तक इसे लागू करने की स्पष्ट समयसीमा बताए या फिर खुले तौर पर स्वीकार करे कि वह महिलाओं के हितों के खिलाफ है।

प्रीपेड मीटर से वसूले गए ज्यादा बिल का हो समायोजन

सपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रीपेड मीटर की भ्रष्टाचारी व्यवस्था का हम सबका विरोध सरकार को झुका गया है। ये जनशक्ति की जीत है। प्रीपेड मीटर के बहाने जो बढ़े बिल जनता से वसूले गए हैं, उनका तार्किक समायोजन अगले बिलों में किया जाए।

कप्तान होने के नाते मैं हार की जिम्मेदारी लेता हूं: गौरव गोगोई

» बोले कांग्रेस नेता- सरकार जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए काम करे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 26 के असम विधानसभा चुनावों में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने सत्ता बरकरार रखने के लिए मजबूत जनादेश प्राप्त किया। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई, जो स्वयं जोरहाट सीट से भाजपा के हितेंद्र नाथ गोस्वामी से बड़े अंतर से हार गए, ने पार्टी की हार की जिम्मेदारी ली।

गौरव गोगोई ने कहा कि मैं मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, जितेंद्र सिंह और अन्य कांग्रेस नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। हमें उम्मीद के मुताबिक सीटें नहीं मिल पाईं। लेकिन हम विधानसभा के अंदर और बाहर असम के विकास के लिए अपने सुझाव देने का प्रयास करेंगे। हम हमेशा असम की आम जनता के साथ खड़े रहेंगे। गौरव गोगोई ने आगे कहा कि लोगों ने इस नतीजे को स्वीकार नहीं किया है। हमें लगा था कि मुकाबला कांटे का होगा। लेकिन कई सीटों पर आए नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं हैं। शनिवार (9 मई) को हम पार्टी के सभी नवनिर्वाचित विधायकों को फोन करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कप्तान होने के नाते, मैं इस हार की जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने कहा कि राज्य कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में, मैं इसके लिए पूरी नैतिक जिम्मेदारी लेता हूं। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं भाजपा और उसके नेतृत्व को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि सरकार जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए काम करेगी। भाजपा सरकार ने अपेक्षित कार्य नहीं किया, और कृत्रिम बाढ़ इसका एक उदाहरण है। मुझे यह भी उम्मीद है कि वे जनता को परेशान करने और भ्रष्टाचार में लिप्त होने की अपनी पिछली गलती को नहीं दोहराएंगे। हमें उम्मीद के मुताबिक सीटें नहीं मिली हैं, लेकिन हम जनता की आवाज उठाने और संविधान की रक्षा करने के अपने कर्तव्य का पालन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर सरकार कोई गलती करती है, तो हम जनता के हित में निडर होकर आवाज उठाएंगे। हमारी सीटें कम हैं, लेकिन हमारा मनोबल कम नहीं है। मैं असम की जनता को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हमें इस बारे में प्रतिक्रिया मिल रही है कि जनता तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए हमें अपने संगठन के भीतर एक नए दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

गद्दी तो दो दिन की, एक दिन तो दुनिया भी छोड़नी पड़ती है: दिलीप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने बुधवार को ममता बनर्जी को फटकार लगाई। ममता ने राज्य विधानसभा चुनावों में टीएमसी की करारी हार के बाद भी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री पद से हटने से इनकार कर दिया था।

टीएमसी प्रमुख पर उनके 15 साल के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार और हिंसा को लेकर हमला बोलते हुए घोष ने कहा कि यह गद्दी तो बस दो दिन की है और एक दिन तो इंसान को यह दुनिया भी छोड़नी पड़ती है। उधर ममता बनर्जी ने मंगलवार को साफतौर पर कहा कि वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला लोगों का असली जनादेश नहीं है, बल्कि सीआरपीएफ और चुनाव आयोग की मिलीभगत से रची गई एक साजिश का नतीजा है।

शक्ति वंदन अधिनियम-23 तुरंत लागू करे सरकार: लांबा

» महिला आरक्षण के लिए कांग्रेस ने छेड़ा हक अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने 5 मई को शिमला से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया, जिसमें उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 23 के पारित होने के बावजूद महिला आरक्षण कानून को लागू करने में विफल रहने के लिए भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना की। शिमला में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, लांबा ने केंद्र सरकार पर जानबूझकर कानून लागू करने में देरी करके देश को गुमराह करने का आरोप लगाया।

अलका लांबा ने कहा कि महिला आरक्षण कानून पारित हो चुका है, इसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है और अधिसूचना भी जारी हो चुकी है। फिर भी भाजपा सरकार इसे लागू नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री देश को क्यों गुमराह कर रहे हैं? लांबा ने आरोप लगाया कि भाजपा ऐतिहासिक रूप से महिला आरक्षण का विरोध करती रही है और उन्होंने इस कानून को पारित कराने में कांग्रेस की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा की मंशा होती, तो महिलाओं को 2014 में ही उनके अधिकार मिल जाते। विपक्ष के दबाव में ही सरकार नारी शक्ति वंदन अधिनियम लेकर आई। हमने इसे पारित करवाना सुनिश्चित किया। उन्होंने परिसीमन या जनगणना प्रक्रियाओं से जोड़े बिना कानून को तत्काल लागू करने की मांग की और जोर देते हुए कहा कि लोकसभा में 543 सीटें हैं। अगर यह कानून आज लागू होता है, तो लगभग 180 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। भाजपा महिलाओं को उनका उचित प्रतिनिधित्व क्यों नहीं दे रही है?

लांबा ने आरक्षण ढांचे में ओबीसी महिलाओं को शामिल किए जाने पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हमारी मांग स्पष्ट है- कानून को तुरंत लागू करें और ओबीसी महिलाओं के लिए भी आरक्षण सुनिश्चित करें। भाजपा न तो कानून लागू करने को तैयार है और न ही पिछड़े वर्ग की महिलाओं को शामिल करने को। इन मांगों को मनवाने के लिए लांबा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित एक विशाल पोस्टकार्ड अभियान की घोषणा की, जिसमें देशभर की दस लाख महिलाएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि यह तो जन आंदोलन की शुरुआत मात्र है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने गांवों, विधानसभा क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों में हस्ताक्षर अभियान और जनसंपर्क कार्यक्रमों की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हम हर पंचायत, हर वार्ड, हर जिले तक पहुंचेंगे। महिलाएं अपनी आवाज उठाएंगी और अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग करेंगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मोदी और शाह को तीसरा साथी मिला जिसकी वजह से बीजेपी को कामयाबी मिली: उद्धव ठाकरे

» शिवसेना के मुखपत्र सामना में कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। बंगाल में बीजेपी की बड़ी जीत पर उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेसना यूबीटी के मुखपत्र सामना में तंज कसा गया है। सामना के संपादकीय में लिखा गया है कि भले ही इन पांच राज्यों के चुनाव नतीजे बीजेपी के लिए गेम चेंजर साबित हुए हैं, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि इन्हें सीधे-सादे तरीकों से हासिल किया गया है।

सबसे ज्यादा इंतजार पश्चिम बंगाल के नतीजों का था। जहां ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस लगातार तीन बार चुनाव जीत चुकी थी। इस दौरान मोदी और शाह ने उन्हें हराने के लिए हर मुमकिन कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। इस बार उन्हें चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के रूप में एक तीसरा साथी मिल गया, जिसकी वजह से बीजेपी को कामयाबी मिली।

शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को पांच राज्यों के चुनाव परिणामों पर बोलते हुए कहा था कि राज्यों के चुनावों के नतीजे ठीक वैसे ही आए हैं, जैसा बीजेपी ने सोचा था। ठाकरे ने कहा कि इन राज्यों में जो पैटर्न इस्तेमाल किया गया। वह लोकतंत्र के लिए चिंता का विषय है। ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र में बीजेपी की जीत पर तंज कसे गए हैं। संपादकीय में यह कहा गया है कि पश्चिम बंगाल में BJP की जीत का श्रेय ज्ञानेश कुमार को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने बीजेपी के सहयोगी की तरह काम किया।

26 के ये चुनाव नतीजे देश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत

और दलों का नए क्षेत्रों तक हो रहा विस्तार

एक तरफ पुराने गढ़ ढह रहे हैं, नई राजनीतिक ताकतों का उभार

» सियासी दिग्गजों ने भी दिए बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के चुनावे के परिणाम की वजह से सोमवार यानी 4 मई के दिन पूरे देश की सियासत गरमाई रही कहीं थलपति की विजय हो रही तो कहीं बंगाल के गांव में बीजेपी का जयघोष गूंजना शुरू है गया , तो कहीं असम में जीत पक्की का जश्न शुरू हो गया था। ऐसे में पूरे देश से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं समाने आ रहीं हैं। वहीं राज्यसभा सांसद और शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनावी रुझानों पर बड़ा बयान देते हुए कहा कि इन नतीजों से देश की राजनीति में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि केरल में वामपंथी दलों का गढ़ टूटता नजर आ रहा है। दूसरी ओर, तमिलनाडु में एक नई पार्टी टीवीके का उदय हुआ है। साथ ही, पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने ऐतिहासिक बढ़त बनाई हुई है, जबकि असम और पुडुचेरी में बीजेपी और उसके सहयोगियों ने अपनी पकड़ बरकरार रखी है। चतुर्वेदी के मुताबिक ये नतीजे सिर्फ चुनावी जीत-हार नहीं बल्कि एक व्यापक राजनीतिक बदलाव का संकेत हैं। उनके बयान में जहां कांग्रेस की केरल में वापसी को बड़ी उपलब्धि बताया गया, वहीं तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी के उभार को नई राजनीति की शुरुआत माना गया। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की बढ़त को उन्होंने टर्नअराउंड करार दिया, जबकि असम और पुडुचेरी में सत्ता बनाए रखना बीजेपी के लिए बड़ी उपलब्धि बताया है। कुल मिलाकर, 26 के ये चुनाव नतीजे देश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं-जहां एक तरफ पुराने गढ़ टूटते दिख रहे हैं, वहीं नई राजनीतिक ताकतें उभर रही हैं और दलों का विस्तार नए क्षेत्रों तक हो रहा है।

केरल में वामपंथ पर भारी पड़ी कांग्रेस

चुनावी रुझानों में केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन ने साफ तौर पर बढ़त बनाई है और एलडीएफ पीछे नजर आ रहा है। यह बदलाव राज्य की सत्ता परिवर्तन की राजनीति को फिर मजबूत करता दिख रहा है, जहां मतदाता अक्सर सरकार बदलते रहे हैं। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक एंटी-इनकंबेंसी फैक्टर भी इस बार निर्णायक रहा है।

विपक्ष के निशाने पर आया चुनाव आयोग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में रुझानों में ही भारतीय जनता पार्टी ने सुबह दस बजे तक बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया हैं, जिसके बाद बीजेपी यहां एक बड़ी जीत की ओर बढ़ती दिख रही हैं जिस पर विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया आना शुरू हो गई है। सपा, नेकां से लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग से लेकर ईवीएम की कार्यप्रणाली पर सवा उठाए हैं। अवधेश प्रसाद ने बंगाल चुनाव के नतीजों के बीच दावा किया कि बीजेपी ने इस चुनाव में अपनी पूरी शक्ति लगा दी और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर चुनाव में गड़बड़ी करने की कोशिश की। सपा सांसद ने कहा, बंगाल के चुनाव में तो भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से लोकतंत्र को खत्म करने का और बाबा साहब अंबेडकर के दिए हुए अधिकारों को खत्म करने का पूरी तरह से प्रयास किया है और जिस तरह से केंद्र से कर्मचारी और सुरक्षा कर्मी बहुत बड़ी मात्रा में और उन्होंने वोटों में गड़बड़ी करने का प्रयास कराया । वहीं सीएम उमर अब्दुल्ला बंगाल नतीजों के रुझान देखकर बेहद चौंक गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केवल दो शब्दों में अपनी हैरानी बयां करते हुए लिखा- ब्लडी हेल इसके साथ उन्होंने ऐसे इमोजी का इस्तेमाल किया है। इससे पहले जब एग्जिट पोल में भी पश्चिम बंगाल में बीजेपी की जीत का दावा किया गया था, तब भी उमर अब्दुल्ला ये मानने को तैयार नहीं थे, दो दिन पहले ही जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने कहा था कि एग्जिट पोल के रुझान कब सही साबित हुए हैं, पांच साल पहले भी एग्जिट पोल बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने का दावा कर रहे थे, लेकिन नतीजा क्या निकला था? ममता बनर्जी की सरकार आई थी। इसी के साथ उमर अब्दुल्ला ने दावा किया था कि इस बार के एग्जिट पोल भी गलत साबित होंगे, हालांकि, अब ममता बनर्जी पर उनका विश्वास टूटता दिख रहा है और बीजेपी की बढ़त वाले रुझान देखकर उमर अब्दुल्ला हैरान हैं।

तमिलनाडु में 'विजय फैक्टर', बंगाल में भी बम-बम

तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके ने चुनावी राजनीति में बड़ा उलटफेर किया है। रुझानों में यह पार्टी पूराने द्रविड़ दलों—डीएमके और एआईएडीएमके—को कड़ी टक्कर देती नजर आई और कई सीटों पर बढ़त बनाई है। इसे राज्य की राजनीति में नई एंट्री और युवा नेतृत्व की स्वीकृति के तौर पर देखा जा रहा है, जिसने दशकों से चले आ रहे राजनीतिक ढांचे को चुनौती दी है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने रुझानों में बड़ी बढ़त हासिल कर ली है और कई रिपोर्ट्स में पार्टी 150 से लेकर 200 सीटों के आसपास तक पहुंचती दिखाई दी। यह राज्य में तृणमूल कांग्रेस के लंबे शासन के बाद एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत है। बीजेपी की यह बढ़त राज्य की राजनीति में गेम चेंजर मानी जा रही है।

कन्हैया कुमार ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर निशाना साधा

कांग्रेस के फायरब्रांड नेता और स्टार प्रचारक कन्हैया कुमार के एक ताजा पोस्ट ने राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। कन्हैया कुमार ने मतगणना के दौरान चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर निशाना साधते हुए

लोकतंत्र की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने लिखा, अगर बीजेपी बंगाल जैसे राज्य में भी नहीं जीतेगी, तो हमारा चुनाव आयोग से भरोसा उठ जाएगा। कन्हैया का यह कटाक्ष सीधे तौर पर उस धारणा पर प्रहार है, जिसमें विपक्ष अक्सर चुनाव आयोग पर सत्ता पक्ष के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाता रहा है। उनके इस बयान को इस तरह देखा जा रहा है कि यदि इतने भारी विरोध और जमीनी हकीकत के बावजूद नतीजे बीजेपी के पक्ष में जाते हैं, तो यह संस्थागत निष्पक्षता पर बड़ा सवाल होगा।

पीके के टीवीके की तमिलनाडु में शानदार जीत की सटीक भविष्यवाणी पर चर्चा

राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर का एक साल पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके की तमिलनाडु में शानदार जीत की सटीक भविष्यवाणी की थी। जब अधिकांश एग्जिट पोल डीएमके की वापसी का अनुमान लगा रहे थे, तब किशोर ने अकेले चुनाव लड़कर बहुमत हासिल करने का दावा किया था, जो अब सच होता दिख रहा है। जब 29 अप्रैल को एक चुनाव विश्लेषक ने कहा कि तमिलनाडु में टीवीके 98 से 120 सीटें जीत सकती है, तो कई लोगों ने इस भविष्यवाणी का मजाक उड़ाया कि एक नवोदित पार्टी, जिसका नेतृत्व एक ऐसे अभिनेता कर रहे हैं जिन्हें राजनीति का कोई अनुभव नहीं है, इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल कर पाएगी। एजेंसी के ये आंकड़े मतदान के बाद किए गए एग्जिट पोल पर आधारित थे, लेकिन टीवीके की सफलता के बारे में एक और भविष्यवाणी, जो चुनाव होने से एक साल पहले की गई थी, अब वायरल हो रही है। पिछले साल मार्च

में, टीवीके के गठन के ठीक एक साल बाद, थंथी टीवी को दिए एक साक्षात्कार में, राजनीतिक रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर से पार्टी और उसके संस्थापक विजय, जो तमिल सिनेमा के सुपरस्टार हैं, के भविष्य के बारे में पूछा गया था। किशोर ने कहा था कि विजय का संकल्प अकेले चुनाव लड़ने का है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई बदलाव आएगा। अगर वह अकेले चुनाव लड़ते हैं, तो तमिलनाडु में उनके जीतने की बहुत अच्छी संभावना है। जब उन्हें बताया गया कि जीतने का मतलब होगा कि टीवीके को 118 सीटों पर जीत हासिल करनी होगी, जो कि 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत के लिए आवश्यक संख्या है, तो किशोर अपने रुख पर अडिग रहे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जी हां, बिल्कुल। इस वीडियो को संभाल कर रखें और तमिलनाडु में नतीजे आने पर इसे चलाएं। ऐसी खबरें आई हैं कि किशोर द्वारा स्थापित राजनीतिक रणनीति फर्म आई-पीएसी ने तमिलनाडु में टीवीके के साथ काम किया है। हालांकि, जब साक्षात्कार में किशोर से पार्टी के साथ उनके जुड़ाव के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि हम राजनीतिक सहयोगियों से कहीं अधिक मित्रवत रहे हैं। हमने पहली बार पांच साल पहले एक-दूसरे से बात की थी... मैं उनका राजनीतिक सलाहकार नहीं हूं। हमारे विचार मिलते-जुलते हैं। सोमवार को दोपहर 1 बजे तक, विजय तमिलनाडु की 110 सीटों पर आगे चल रहे थे, जिससे अधिकांश एग्जिट पोल के अनुमान गलत साबित हो गए, जिनमें डीएमके और एमके स्टालिन के राज्य में सत्ता में लौटने की भविष्यवाणी की गई थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

क्रिकेट से इतर और भी खेल जिनको मिले तरजीह

> भारत सरकार ने खेलों इंडिया के तहत गांवों की प्रतिभा को बड़े-बड़े मंचों पर पहुंचाने के लिए ग्रामीण स्तर पर खेल मैदान की कल्पना की थी। जो अब भी कागजों मे कल्पना ही रह गई है इस अव्यवस्था के लिए सरकारी मशीनरी की हीलाहवाली जिम्मेदार है।

आजकल देध में आईपीएल का बोलबाला है। बड़ी विडंबना हैं कि क्रिकेट में ताो सब ठीक है पर अन्य खेलों का हाल किसी से छूपा नही हैं। कुश्ती जैसे खेलों में तो शोषण जैसे मामले महीनों सुर्खिया बने रहते हैं। उधर पिछले कुछ सालों से गांवों में खेलों के मैदान की विकास के दावे बहुत किए गए। पर हकीकत में इन मैदानों पर या तो जंगली घास उगी या अवैध कब्जे हो गए है। भारत सरकार ने खेलों इंडिया के तहत गांवों की प्रतिभा को बड़े-बड़े मंचों पर पहुंचाने के लिए ग्रामीण स्तर पर खेल मैदान की कल्पना की थी। जो अब भी कागजों मे कल्पना ही रह गई है इस अव्यवस्था के लिए सरकारी मशीनरी की हीलाहवाली जिम्मेदार है। संसाधनों की यह कमी केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि उपकरणों के स्तर पर भी काफी चिंताजनक है। बजट का अभाव ग्रामीण विद्यालयों के लिए सबसे बड़ी बाधा है। शिक्षा का अधिकांश बजट शिक्षकों के वेतन और मिड-डे मील जैसी अनिवार्य योजनाओं में ही समाप्त हो जाता है, जिससे खेलों के लिए नगण्य राशि बचती है।

भारत की अधिकांश जनसंख्या गाँवों में बसती है, जहाँ की मिट्टी ने मिल्खा सिंह, पी.टी. उषा और नीरज चोपड़ा जैसे महान खिलाड़ी दिए हैं। इसके बावजूद, ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में खेलों की स्थिति अत्यंत दयनीय बनी हुई है। आज भी लगभग 30 प्रतिशत से अधिक सरकारी स्कूलों के पास अपना स्वयं का खेल का मैदान नहीं है। जहाँ मैदान उपलब्ध भी हैं, वहाँ उनका रखरखाव इतना खराब है कि वे खेल गतिविधियों के लिए सुरक्षित नहीं माने जा सकते। बाउंड्री वॉल का न होना, मैदान में झाड़ियाँ उगना या स्थानीय लोगों द्वारा अतिक्रमण करना एक आम समस्या बन गई है, जिसके कारण बच्चों को सड़कों या संकरी गलियों में खेलने को मजबूर होना पड़ता है। संसाधनों की यह कमी केवल बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं है, बल्कि उपकरणों के स्तर पर भी काफी चिंताजनक है। बजट का अभाव ग्रामीण विद्यालयों के लिए सबसे बड़ी बाधा है। शिक्षा का अधिकांश बजट शिक्षकों के वेतन और मिड-डे मील जैसी योजनाओं में ही समाप्त हो जाता है, जिससे खेलों के लिए नगण्य राशि बचती है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, एक बड़े प्रतिशत स्कूलों में खेल के नाम पर केवल एक फटी हुई फुटबॉल या कुछ पुराने क्रिकेट बैट ही होते हैं। बास्केटबॉल, वॉलीबॉल या एथलेटिक्स जैसे खेलों के लिए आवश्यक नेट, पोल और ट्रैक तो ग्रामीण भारत के अधिकांश विद्यालयों के लिए आज भी एक विलासिता जैसे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जिम्मेदारी का मतदान भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता

सुरेश सेठ

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसने अपनी सुदृढ़ चुनावी परंपराओं से वैश्विक उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्वतंत्रता के बाद से अनेक लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए हैं, जो लोकतांत्रिक मजबूती को दर्शाते हैं। छिटपुट घटनाओं के बावजूद चुनाव प्रक्रिया कभी बाधित नहीं हुई। यह भारतीय मतदाताओं की जागरूकता और लोकतंत्र के प्रति उनकी निष्ठा को सिद्ध करता है। वोट की ताकत के माध्यम से जनता शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता परिवर्तन करती है, चाहे कोई दल लंबे समय से शासन में क्यों न हो। यह सत्य है कि भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया और चुनाव आयोग की आलोचना समय-समय पर होती रहती है। बैलेट वोटिंग की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और मतदाता सूची पुनरीक्षण जैसे मुद्दों पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं।

फिर भी इन आलोचनाओं के बावजूद देश की 140 करोड़ जनता का लोकतंत्र में विश्वास अडिग बना रहता है। भारतीय मतदाता अपने मताधिकार की शक्ति को भली-भांति समझते हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं, जिससे व्यवस्था की मजबूती और निरंतरता सुनिश्चित होती है। शिक्षा और जागरूकता के विस्तार के साथ दूरदराज के गांवों तक भी लोकतंत्र की शक्ति की समझ पहुंच चुकी है। लोग जानते हैं कि संविधान सर्वोच्च है और उससे ऊपर कुछ नहीं। जब भी उन्हें लगता है कि संशोधन के नाम पर संविधान से छेड़छाड़ हो सकती है, वे अपने मताधिकार से इसका विरोध करते हैं। हाल के चुनावों में भी संविधान के प्रति आस्था प्रमुख मुद्दा रही। वोटिंग मशीनों और मतदाता सूचियों पर विवाद के बावजूद, जब लोकतंत्र की कसौटी पर परख का समय आया, तो करोड़ों मतदाताओं ने भाग लेकर अपनी जिम्मेदारी निभाई और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया। मिथ्या प्रचार और भ्रामक दावों का शोर आम नागरिक रोज सुनता है, लेकिन मतदान के समय उसकी स्वतंत्र सोच सामने आ जाती है। चुनाव परिणाम यह सिद्ध करते हैं कि भारतीय मतदाता सजग है, स्वयं निर्णय लेता है और आसानी से बहकाया नहीं जा सकता।

यही परिपक्वता लोकतांत्रिक परम्पराओं की वास्तविक विजय को दर्शाती है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुए रिकॉर्ड मतदान ने बताया कि तमाम नकारात्मक प्रचार के बावजूद मतदाताओं ने लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाई। जाति-धर्म के मुद्दे, मतदाता सूचियों पर संदेह और आरोप-प्रत्यारोप के बीच भी जब नागरिक मतदान केंद्रों पर पहुंचे, तो उनके हाथ में सबसे बड़ी शक्ति उनका वोट था। भीषण गर्मी के बावजूद सुबह से लंबी कतारें लगीं, जो जागरूकता और प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

यह मतदान विभिन्न मुद्दों-चाहे मतदाता सूची की विश्वसनीयता का प्रश्न हो या क्षेत्रीय अस्मिता—सबका जवाब बनकर सामने आया, क्योंकि भागीदारी अत्यधिक रही। उच्च मतदान के बीच अपेक्षाकृत कम हिंसा लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत है। तमिलनाडु में भी भाषायी और क्षेत्रीय बहसों के बावजूद मतदाताओं ने उत्साह दिखाया। भीषण गर्मी के बावजूद लोग बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचे और अपने मताधिकार का उपयोग किया। यह दर्शाता है कि मतदाता मुद्दों को समझते हैं और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त के अनुसार पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुआ मतदान देश में सर्वाधिक रहा, जो लोकतांत्रिक जागरूकता का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण को लेकर बहस के बीच इन चुनावों में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही, जो सशक्तीकरण का संकेत देती है। पश्चिम बंगाल, जो कभी छिटपुट हिंसा के लिए चर्चित रहा है, वहां इस बार अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण मतदान हुआ। यह सब दर्शाता है कि भारतीय मतदाता अधिक परिपक्व, जागरूक और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हो चुका है। चुनाव

विशेषज्ञ अक्सर अधिक मतदान के आधार पर सत्ता परिवर्तन का अनुमान लगाते हैं, जबकि कम मतदान को यथास्थिति की स्वीकृति माना जाता है। लेकिन बदलते समय के साथ ये धारणाएं पुनर्विचार की मांग करती हैं।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में रिकॉर्ड मतदान ने यह संकेत दिया है कि मतदाता अब पारंपरिक आकलनों से परे होकर स्वतंत्र निर्णय लेता है। वह अपने मत का संकेत न पहले देता है, न बाद में प्रकट करता है। यही कारण है कि चुनाव पूर्व अनुमान अक्सर गलत साबित होते हैं। भारतीय मतदाता की यह परिपक्वता और जागरूकता लोकतंत्र की वास्तविक ताकत को दर्शाती है। आज जब दुनिया के कई बड़े देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव और अधिनायकवादी प्रवृत्तियों की चर्चाएं बढ़ रही हैं, भारत अपने विशाल और विविधतापूर्ण ढांचे के साथ लोकतंत्र की मजबूती का उदाहरण प्रस्तुत करता है।

शांति स्थापना में मीडिया की आध्यात्मिक दृष्टि मददगार

वर्तमान अशांत वैश्विक दौर में ब्रह्माकुमारी मिशन आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से शांति स्थापना के लिए अथक प्रयास कर रहा है। इस मिशन के साथ-साथ मीडिया भी यदि शांति के लिए हो रहे प्रयासों में अपना भरसक योगदान करने लगे तो इस दिशा में विश्व जनमत और मजबूत हो सकता है।

सुरेश सेठनरेश कौशल

ओम शांति। वैसे तो 'ओम' रूपी इस अपार शांति सागर में मेरे विचार गागर में एक बूंद की माफिक होंगे। फिर भी वैश्विक शांति के लिए मीडिया की भूमिका कैसी होनी चाहिए, इस विषय पर अपने अनुभव, अपने विचार और सुझाव रखने का प्रयास कर रहा हूं। तो चलिये, 'नीड ऑफ ग्लोबल पीस, रोल ऑफ मीडिया' के विषय पर चर्चा की शुरुआत कुछ इस तरह से करते हैं:- कलम उठे तो अमन की कहानी लिखी जाये, हर एक खबर में इंसानियत दिखी जाये। निस्संदेह, विश्व आज सर्वाधिक अशांत दौर से गुज़र रहा है। चारों तरफ भय और असुरक्षा का माहौल है। व्यक्ति, राष्ट्र से लेकर विश्व स्तर तक स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कोरोना काल से लेकर, यूक्रेन युद्ध और आजकल अमेरिका-इस्राइल और ईरान द्वंद्व तक के संघर्ष ने दुनिया के अरबों लोगों के जीवन को अशांत बनाकर रख दिया है।

हाल के दशकों में वैश्वीकरण और उदारीकरण के बाद दुनिया को एक वैश्विक गांव बनाने का जो सपना देखा गया था वह ध्वस्त होता नजर आ रहा है। ऐसे हालात में 'नीड ऑफ ग्लोबल पीस एंड रोल ऑफ मीडिया' विषय आज निश्चित रूप से समय की मांग है। आज जहां संयुक्त परिवार बिखर कर 'एकल' में सिमटने लगे हैं, दाम्पत्य जीवन में टूटन बढ़ रही है। भागदौड़भरी जिंदगी जी रही युवा पीढ़ी में सहनशीलता, धैर्य का क्षरण हो रहा है। परिवार से लेकर समाज तक और समाज से लेकर देश-विदेश तक मानव मनोविकारों का संत्रास हमारे भाईचारे को, विश्व बंधुत्व के हमारे सपनों को चकनाचूर कर रहा है। सोचा तो यह था कि तकनीकी उन्नति समाज को और देशों को जोड़ने का काम करेगी, लेकिन उलटे दुनिया संघर्षों में उलझी दिखायी पड़ रही है। पूरी दुनिया में युद्ध, मृत्यु, तबाही, विस्थापन और मानवीय विपदाओं का अंतहीन सिलसिला चल निकला है।

निस्संदेह ब्रह्माकुमारी मिशन विपदाओं के इस सिलसिले को थामने में आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से अथक प्रयास कर रहा है। इस मिशन के साथ-साथ मीडिया भी शांति के लिए हो रहे प्रयासों में अपना भरसक योगदान करने लगे, अपनी सक्रिय भूमिका निभाने लग जाये तो इस दिशा में विश्व जनमत और मजबूत हो सकता है। पत्रकार युद्ध का सच बताने के साथ-साथ अगर बुद्ध के सच को भी उजागर करें तो यह समूची मानवता के लिये एक कल्याणकारी ऋषिकर्म होगा। संयोग से आज बुद्ध पूर्णिमा भी है, इसके लिए आप सबको बधाई! इस मंच से उल्लेख जरूरी है कि जिस नारी के महत्व, जिस नारी की शक्ति को आज विश्वभर में पहचान मिलने लगी है।

जिस नारी का वंदन करते हुए हमारी देश-प्रदेश की सरकारें 33 प्रतिशत का आरक्षण देने का प्रयास और प्रचार कर रही हैं, उस नारी की शक्ति को, उसके महत्व को ब्रह्माकुमारी मिशन के संस्थापक ब्रह्मतुल्य प्रजापिता ने कई दशक पूर्व आंक लिया था। आपकी इस संस्था में 35 या पचास नहीं, बल्कि शत-प्रतिशत आरक्षण नारी शक्ति के लिये कब का हो चुका। आपके प्रणेता जी ने भारतीय संस्कृति के संदेश 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:' को पहले ही आत्मसात कर लिया। परिवारों से लेकर समाज तक और समाज से लेकर विश्व तक को शांति की माला में पिरोने के लिये निश्चय ही मीडिया अहम भूमिका निभा सकता है, विश्व शांति के लिये जनमत तैयार कर सकता है और इस तरह जागरूक हुआ जनमत दुनिया के नीति-नियंताओं से यह सवाल कर सकता है कि आखिर शांति के लिये बनाये गये संगठन अपना फर्ज अदा क्यों नहीं कर पा रहे। कौन सी शक्तियां हैं, जो इन संस्थानों को पंगु बना रही हैं।

दुनिया के मठाधीशों से पूछा जाना चाहिये कि वैश्विक भाईचारा और विश्व शांति के उद्देश्य से बनाये गये संगठनों, मसलन- संयुक्त राष्ट्र, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष, जी-ट्वेंटी, जी-सेवन, ब्रिक्स और क्वाड के होते हुए अमेरिका, रूस जैसी महाशक्तियां, इस्राइल और आतंकी शक्तियां मानवता को रौंदने पर क्यों तुली हैं? अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक सक्रिय मीडिया के मेरे साथियों, उठाओ अपना गांडीव रूपी कलम का अस्त्र, दागो। अरे विश्व शांति के मसीहा का ढोंग रचने वाले महाशक्तिमानो, आप किस हैसियत से नोबेल शांति पुरस्कार पाने की जुगतें भिड़ा रहे हैं। मीडिया के शक्तिमानो जतला दो उन्हें कि कभी न कभी शांति का उजाला उनके झूठ के अंधकार को अवश्य निगल जायेगा। ऐसे हथियार विक्रेताओं को एक शायर की यह आवाज सुना दो:- 'तिरे चराग अलग हों मिरे चराग अलग, मगर उजाला तो फिर भी जुदा नहीं होता।' मीडिया के मेरे दोस्तो, यह सच्चाई हमें माननी पड़ेगी कि सूचना की गति भले तेज हुई है, मगर संवेदना की गहराई कम हो रही है।

मोटापे के जंक फूड नहीं ये हैं असली कारण

मोटापे को लेकर हमारे समाज में एक आम धारणा है कि जरूर कुछ एक्स्ट्रा खा रहे हैं, इसलिए वजन बढ़ रहा है। अक्सर ऐसा देखने को मिलता है कि लोग वजन घटाने के चक्कर में खाना-पीना तक छोड़ देते हैं, फिर भी शिकायत करते हैं कि मैं तो कुछ खाता ही नहीं, फिर भी वजन कम नहीं हो रहा। रिसर्च के अनुसार 100 किलो के शरीर में यह महत्वपूर्ण नहीं है कि आप क्या खा रहे हैं, बल्कि यह ज्यादा जरूरी है कि आप क्या नहीं खा रहे हैं। हमारे शरीर में डेढ़ से दो लाख कैलोरी पहले से ही फैट के रूप में जमा होती है, इसलिए शरीर को ऊर्जा की कमी का डर नहीं होता। शरीर के तीन चीजें सबसे ज्यादा जरूरी होती हैं पहला पानी, दूसरा प्रोटीन और तीसरा नमक। शरीर के लिए असली समस्या इन तीन चीजों की कमी होना और उनके गलत स्रोतों का चुनाव करना है। अक्सर लोग इसके लिए उन चीजों का सेवन करते हैं जिससे वे जानें अनजाने में अधिक कैलोरी का सेवन भी करने लगते हैं। इसी को कैलोरी लीकेज कहा जाता है। जिससे शरीर का मेटाबॉलिज्म बिगड़ जाता है और मोटापा कम होने के बजाय बढ़ने लगता है।

कैलोरी लीकेज

हम अक्सर शरीर की बुनियादी जरूरतों को गलत तरीके से पूरा करने की कोशिश करते हैं। जैसे कुछ लोग पानी की कमी पूरी करने के लिए बार-बार चाय या कॉफी पीते हैं, तो पानी के साथ दूध और चीनी के रूप में भारी मात्रा में कैलोरी शरीर में चली जाती है, इसी को कैलोरी लीकेज कहते हैं। इसी तरह नमक के लिए नमकीन या प्रोसेस्ड फूड का सेवन करना शरीर में कई अनचाहे कैलोरी को भी भरता है। इसलिए जब हम पोषक तत्वों को अस्वस्थ स्रोतों से लेते हैं, तो पोषण कम और मोटापा ज्यादा मिलता है।

प्रिसिजन न्यूट्रिशन का सही तरीका

अक्सर हमने देखा हैं कि वजन घटाने के लिए लोग खाना छोड़ देते हैं लेकिन वजन घटाने का मतलब खाना छोड़ना नहीं, बल्कि प्रिसिजन न्यूट्रिशन अपनाना होता है। इसका अर्थ है कि शरीर को वही चीजें दें जिसकी शरीर को जरूरत है, बिना फालतू की कैलोरी के। इसलिए आपको रोजाना यह सुनिश्चित करना है कि शरीर को क्लीन सोर्स कैसे मिले। जैसे पानी के लिए शुद्ध जल चाहिए होता है उसी तरह नमक के लिए नींबू पानी और प्रोटीन के लिए उबले हुए अंडे, ग्रिल्ड चिकन या सादी दालें आवश्यक होता है। इसलिए जब शरीर को सटीक पोषण मिलता है, तो वह जमा फैट को जलाना शुरू कर देता है। इससे मोटामा कम होता है और शरीर फिट रहता है।

शरीर को पोषण दें कैलोरी नहीं

मोटापे से लड़ने के लिए माइंडसेट बदलना जरूरी है। अगर कोई मोटा है तो उसे शरीर के एनर्जी के लिए पैनिक नहीं होना है क्योंकि उसके पास फैट का भंडार है, लेकिन उसे रोजाना पानी, नमक और प्रोटीन के क्लिन सोर्स का सेवन करना चाहिए। खाना छोड़ने के बजाय यह सोचें कि आपके शरीर में जाने वाला हर निवाला कितना साफ और पौष्टिक है। अपनी डाइट को प्रिसाइज (सटीक) बनाएं और कैलोरी लोडिंग से बचें।

प्रोटीन के नाम पर कैलोरी का लोड

प्रोटीन हमारे शरीर की मरम्मत के लिए बहुत जरूरी होता है, लेकिन इसके स्रोत क्लीन होने चाहिए। अगर आप प्रोटीन की जरूरत पूरी करने के लिए दाल मखनी या पनीर बटर मसाला जैसी भारी चीजें खाते हैं, तो इनसे प्रोटीन तो मिलता है लेकिन साथ में अत्यधिक तेल और मक्खन की कैलोरी भी लोड हो जाती है। जो हमारे शरीर के लिए बहुत हानिकारक होती है क्योंकि यह कैलोरी लोडिंग वजन घटाने की प्रक्रिया में सबसे बड़ी बाधा बनती है। इसलिए हमारे शरीर को केवल प्रोटीन चाहिए, मसालों और तेल का अतिरिक्त भार नहीं। इसलिए हमें चाहिए कि खाने में उन चीजों को शामिल करें जो सिर्फ हमें प्रोटीन दें।

हंसना मना है

संता-डॉक्टर साहब दो साल पहले मुझे बुखार आया था । डॉक्टर-तो अब क्या? संता-आपने नहाने को मना किया था, आज इधर से गुजर रहा था तो सोचा कि पूछता चलूं .. अब नहा लूं क्या?

चिंटू-मुझे 100 रुपये दे। बदले में तुझे लाख रुपये की सलाह दूंगा। पिंटू-यह ले। अब क्या सलाह है? चिंटू-यही कि भाई! हर किसी को ऐसे पैसे मत बांटा कर।

संता ने अमरूद लिए तो उसमें से कीड़ा निकला। संता अमरुद वाले से: इसमें तो कीड़ा है! अमरुद वाला: ये किस्मत की बात है, क्या पता अगली बार मोटर साइकिल निकल जाए। संता : दो किलो और दे दो।

डॉक्टर मरीज से: अगर तुम मेरी दवा से ठीक हो गए तो मुझे क्या इनाम दोगे। मरीज: साहब मैं तो बहुत गरीब आदमी हूं, कब्र खोदता हूं आपकी फ्री में खोद दूंगा।

एक लड़की ने अपने बॉयफ्रेंड से पूछा, तुम्हें खुशी मिलती है जब मैं रोती हूं? उसने जवाब दिया, नहीं, मुझे उस वक्त खुशी मिलती है। जब तुम मुझे रोते हुए फोटो भेजती हो!

कहानी — नामुमकिन को कैसे मुमकिन बनायें

एक राजा के दो बेटे थे, उम्मेदसिंह और रघुवीर सिंह। एक बार राजकुमार जंगल में शिकार करने गए। रास्ते में एक विशाल नदी थी। दोनों का मन हुआ कि क्यों ना नदी में नहाया जाये। फिर दोनों नदी में नहाने चल दिए। लेकिन नदी उनकी अपेक्षा से कहीं ज्यादा गहरी थी। रघुवीर सिंह तैरते तैरते थोड़ा दूर निकल गया, अभी थोड़ा तैरना शुरू ही किया था कि एक तेज लहर आई और रघुवीर सिंह को दूर तक अपने साथ ले गयी। रघुवीर डर से अपनी सुध बुध खो बैठा गहरे पानी में उससे तैरा नहीं जा रहा था अब वो डूबने लगा था। अपने भाई को बुरी तरह फंसा देख के उम्मेदसिंह जल्दी से नदी से बाहर निकला और एक लकड़ी का बड़ा लट्ठा लिया और अपने भाई रघुवीर की ओर उछाला। लेकिन दुर्भाग्यवश रघुवीर सिंह इतना दूर था कि लकड़ी का लट्ठा उसके हाथ में नहीं आ पा रहा था। इतने में सैनिक वहां पहुंचे और राजकुमार को देखकर सब यही बोलने लगे- अब ये नहीं बच पाएंगे, यहां से निकलना नामुमकिन है। उम्मेदसिंह को भी यही लग रहा था कि तेज बहाव में बचना नामुमकिन है, यही सोचकर सबने हथियार डाल दिए और कोई बचाव को आगे नहीं आ रहा था। काफी समय बीत चुका था, रघुवीर सिंह अब दिखाई भी नहीं दे रहा था। अभी सभी लोग किनारे पर बैठ कर रघुवीर सिंह का शोक मना रहे थे कि दूर से एक सन्यासी आते हुए नजर आये उनके साथ एक नौजवान भी था। थोड़ा पास आये तो पता चला वो नौजवान रघुवीर सिंह ही था। अब तो सारे लोग खुश हो गए लेकिन हैरानी से वो सब लोग रघुवीर सिंह से पूछने लगे कि तुम तेज बहाव से बचे कैसे? सन्यासी ने कहा कि आपके इस सवाल का जवाब मैं देता हूं- ये बालक तेज बहाव से इसलिए बाहर निकल आया क्यूंकि इसे वहां कोई ये कहने वाला नहीं था कि यहां से निकलना नामुमकिन है इसे कोई हताश करने वाला नहीं था, इसे कोई हतोत्साहित करने वाला नहीं था। इसके सामने केवल एक लकड़ी का लट्ठा था और मन में बचने की एक उम्मीद और इसने प्रयत्न जारी रखा और बस इसीलिए ये बच निकला।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा। समय अनुकूल है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

तुला

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ

परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जल्दबाजी न करें। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृश्चिक

स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

मिथुन

आय में वृद्धि होगी। लाभ में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

धनु

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

कर्क

आर्थिक उन्नति की योजना बनेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

मकर

मेहनत अधिक होगी। लाभ के अवसर टलेंगे। मानसिक बेचैनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा। कोई बड़ी बाधा उठ खड़ी हो सकती है। विवाद के बढ़ावा न दें।

सिंह

नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। दुष्टजनों से सावधान रहें। प्रमाद न करें। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

कुम्भ

व्यापार लाभदायक रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। प्रमाद न करें। मान-सम्मान मिलेगा।

कन्या

बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

मीन

उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। बुद्धि का प्रयोग करेंगे। कार्य में सफलता मिलेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

हिमेश रेशमिया-मानुषी छिल्लर ने 'शराब' से मचाया तहलका

हिमेश रेशमिया अपने नए गाने 'शराब' के साथ तहलका मचाने के लिए तैयार हैं। हिमेश के इस गाने में मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर नजर आने वाली हैं। सोमवार को हिमेश ने गाने का पहला पोस्टर जारी किया था, जिसमें वो अपने पुराने अंदाज में नजर आ रहे थे। उनके सिर पर टोपी नजर आई। साथ ही मानुषी छिल्लर बेहद ही ग्लैमरस अवतार में दिखाई दे रही थीं। अब आज यानी मंगलवार को उन्होंने इस गाने का टीजर यूट्यूब पर शेयर कर दिया है।

हिमेश रेशमिया के इस गाने का टाइटल 'शराब' रखा गया है। 'शराब' का जो टीजर आज जारी किया गया है, वो 33 सेकेंड का है। गाने में हिमेश को किसी सुपरस्टार सिंगर की तरह पेश किया गया है।

गाना काफी बोल्ड है और इसमें मानुषी छिल्लर अपने अब तक के सबसे ग्लैमरस अवतार में दिखाई दे रही हैं। अभी तो बस गाने की झलक ही सामने आई है, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है।

हिमेश रेशमिया का गाना 'शराब' 8 मई को रिलीज़ किया जाएगा। गाने को अंशुल गर्ग के प्लेडीएमएफ के बैनर तले बनाया गया है। यिनोन ज़ाल्मन, फ़्लोरेंट ह्यूगेल, डेमियन सिबिलैट, विंसेंट एस्टेव, रजत नागपाल, राणा सोटल, जॉन क्लेस जैसे लोगों ने इसे मिलकर लिखा और कंपोज किया है। इस गाने में रजत नागपाल समेत कई आर्टिस्ट भी दिखाई देंगे। गानो को पियूष और शाजिया ने कोरियोग्राफ और डायरेक्ट किया है।

हिमेश रेशमिया के इस गाने से पहले मानुषी छिल्लर दिलजीत दोसांझ के गाने में नज़र आई थीं। 15 अक्टूबर 2025 को ये गाना रिलीज़ हुआ था। इस गाने में भी मानुषी का काफी बोल्ड अवतार देखा गया था। गाने के बोल थे 'हीरे कुफ़र करे'। गाने को सिर्फ यूट्यूब पर ही 77 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले थे। वहीं हिमेश के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार फिल्म 'बैडएस रविकुमार' में नज़र आए थे जो फ्लॉप साबित हुई थी। इसके अलावा उन्होंने कैप मेनिया टूर भी किया था।

इस साल मेट गाला से दीपिका पादुकोण दीपिका ने बनाई दूरी

दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म की तैयारियों में व्यस्त हैं। वे शाहरुख खान के साथ फिल्म किंग में नजर आएंगी। बीते दिनों शाहरुख खान के साथ केपटाउन में दीपिका की शूटिंग की तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आईं। इस बीच खबर है कि इस साल वे फैशन इवेंट मेट गाला में शिरकत नहीं करेंगी। इसकी वजह वर्क कमिटमेंट बताई जा रही है।

न्यूयॉर्क में होने वाले मेट गाला 2026 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। हर साल की तरह इस साल भी फिल्म, म्यूजिक और फैशन जगत से जुड़ी हस्तियां शिरकत करेंगी। इसके रेड कार्पेट को लेकर अलग उत्साह रहता है। मगर, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका पादुकोण इस बार हिस्सा नहीं ले रही हैं। वे अपनी वर्क कमिटमेंट के चलते इस इवेंट में हिस्सा नहीं ले रही हैं। फिलहाल उनका फोकस अपनी आगामी फिल्मों पर है।

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इससे पहले साल 2017, 2018 और 2019 में मेट गाला में शामिल हो चुकी हैं। दीपिका पादुकोण के पास दो बड़े प्रोजेक्ट पाइपलाइन में हैं। उनकी प्राथमिकता हमेशा से फिल्में ही रही हैं और आगे भी रहेंगी। इस साल के आखिर में 'किंग' और अगले साल 'राका' रिलीज होने वाली है। ऐसे में इस समय उनकी प्राथमिकता इन दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी करना है। बता दें कि मेट गाला 2026, 5 मई को न्यूयॉर्क शहर के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में होने वाला है। दीपिका पादुकोण दूसरी बार मां बनने वाली हैं। बीते दिनों उन्होंने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी का एलान किया था। हाल ही में शूटिंग सेट से सामने आई तस्वीरों में भी उनके चेहरे पर प्रेग्नेंसी ग्लो देखा गया था।

बॉलीवुड | मन की बात

भाजपा ने बंगाल में दीदीवाद का पर्दाफाश किया : मुकेश खन्ना

मुकेश खन्ना अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। वे सामाजिक, राजनीतिक मुद्दों पर भी खुलकर राय रखते हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने राज्य में टीएमसी को हराकर विजय रथ पर सवार होने वाली भारतीय जनता पार्टी की जीत पर खुशी जाहिर की है। मुकेश खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो साझा किया है। इसमें उन्होंने कहा, मुझे आना पड़ा। मैं आया हूं, अपने देश की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा को बधाई देने। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने वो कर दिखाया, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। मुकेश खन्ना ने अपने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, चुनावों में टीएमसी को हराकर, भाजपा ने पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनने से रोक दिया। चुनावों में टीएमसी को हराकर, भाजपा ने पश्चिम बंगाल को गुंडा राज से मुक्त कराया। चुनावों में टीएमसी को हराकर, भाजपा ने पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र को वापस लौटाया। चुनावों में टीएमसी को हराकर, भाजपा ने ममता के दीदीवाद का पर्दाफाश किया। बंगाल अपने गौरवशाली अतीत और अपनी सांस्कृतिक विरासत की ओर वापस लौटेगा, जिसे ममता दीदी ने पिछले कई वर्षों में नष्ट कर दिया था। उन्होंने आगे लिखा है, अब अगला लक्ष्य पंजाब और केरल होना चाहिए। अभिनेता ने आगे कहा है, यह एक बहुत बड़ी जीत है। एक-डेढ़ साल से बंगाल की हालत देखकर बहुत परेशान हो जाता हूं। मैं इस पर कई बार बोल भी चुका हूं।

भारत के ईस्ट में रहते हुए भी राज्य का नाम वेस्ट बंगाल क्यों? इसके पीछे है अनोखा इतिहास

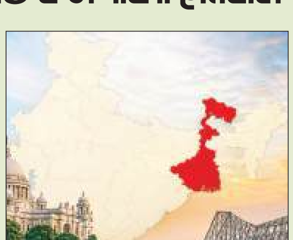

भारत के नक्शे पर नजर डालें तो पश्चिम बंगाल देश के बिल्कुल पूर्वी हिस्से में स्थित दिखाई देता है। ऐसे में इसके नाम में पश्चिम शब्द होना कई लोगों को उलझन में डाल देता है। लेकिन इस नाम के पीछे एक अनोखा इतिहास छिपा हुआ है। जो भारत के विभाजन और उससे पहले की राजनीतिक घटनाओं से जुड़ा है।

एक समय था जब बंगाल एक विशाल और समृद्ध क्षेत्र हुआ करता था। गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा में फैला यह इलाका संस्कृति, साहित्य और व्यापार का महत्वपूर्ण केंद्र था। ब्रिटिश शासन के दौरान बंगाल प्रेसीडेंसी एक बड़ा प्रशासनिक क्षेत्र था, जिसमें आज का पश्चिम बंगाल ही नहीं, बल्कि बांग्लादेश, बिहार और ओडिशा के हिस्से भी शामिल थे। उस दौर में इस पूरे क्षेत्र को सिर्फ बंगाल कहा जाता था। फिर आया साल 1905 जब अंग्रेजों ने बंगाल को बांटने का फैसला किया। उस समय के वायसराय लॉर्ड कर्जन ने प्रशासनिक सुविधा के नाम पर इसे दो भागों में विभाजित किया। हालांकि असली मकसद बढ़ते राष्ट्रवादी आंदोलन को कमजोर करना था। इस विभाजन में पूर्वी और पश्चिमी बंगाल की अलग-अलग पहचान बनाई गई। लेकिन भारतीयों के भारी विरोध और स्वदेशी आंदोलन के दबाव के चलते 1911 में इस फैसले को वापस लेना पड़ा। फिर भी, इस घटना ने बंगाल के दो हिस्सों की सोच को जन्म दे दिया।

असल मोड़ आया 1947 में जब भारत का विभाजन हुआ। धार्मिक आधार पर देश के बंटवारे के दौरान बंगाल भी दो भागों में बंट गया। इसका पश्चिमी हिस्सा, जहां हिंदू आबादी अधिक थी, भारत के साथ रहा और पश्चिम बंगाल कहलाया। वहीं पूर्वी हिस्सा पूर्वी पाकिस्तान बना, जो बाद में 1971 में आजाद होकर बांग्लादेश बन गया। यहीं से पश्चिम बंगाल नाम आधिकारिक रूप से प्रचलन में आया। यहां पश्चिम शब्द भौगोलिक दिशा नहीं, बल्कि ऐतिहासिक रूप से पुराने बंगाल के पश्चिमी हिस्से को दर्शाता है। भले ही आज यह राज्य भारत के पूर्व में स्थित है, लेकिन इसका नाम उस समय की ऐतिहासिक परिस्थितियों की याद दिलाता है। आज भी समय-समय पर राज्य का नाम बदलकर बंगाल या बांग्ला करने की चर्चा होती रहती है, ताकि दिशा से जुड़ा भ्रम दूर हो सके। हालांकि, अब तक इस ऐतिहासिक नाम को बरकरार रखा गया है, जो अपने अतीत की कहानी खुद बयां करता है।

अजब-गजब | नेपाल के सौराहा शहर में दिखता है अजीबो-गरीब नजारा

यहां सड़कों पर आराम से घूमते हैं जंगली जानवर गाय-भैंस नहीं, इंसान के साथ रहते हैं गैंडे!

अगर आप सोचते हैं कि भारत में सड़कों पर गाय-भैंस घूमना आम बात है, तो नेपाल की एक जगह देखकर आप हैरान रह जाएंगे। यहां सड़कों पर घूमते हैं एक-सींग वाले गैंडे और हाथी जैसे विशाल जंगली जानवर। इंसान और जंगली जानवर एक साथ रहते हैं और यह दृश्य रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है।

हम बात कर रहे हैं नेपाल के प्रसिद्ध चितवन नेशनल पार्क के गेटवे शहर सौराहा की। यहां पर्यटक जब होटल से बाहर निकलते हैं तो अक्सर उनके सामने से एक गैंडा गुजरता नजर आ जाता है। कभी-कभी गैंडा होटल के लॉन पर आराम करता मिलता है, तो कभी रेस्टोरेंट के पास से गुजरता हुआ दिखता है। हाथी भी कभी-कभी गांव की गलियों में दिख जाते हैं।

चितवन नेशनल पार्क दुनिया के उन दुर्लभ स्थानों में से एक है जहां बाघ, गैंडे और हाथी एक साथ पाए जाते हैं। पिछले कुछ दशकों में गैंडों की संख्या में अच्छी खासी वृद्धि हुई है। 1970 के दशक में नेपाल में गैंडों की संख्या मात्र 100 के आसपास रह गई थी, लेकिन अब चितवन में इनकी संख्या 700 के करीब पहुंच गई है। पार्क के आसपास का बफर जोन (750 वर्ग किलोमीटर) जहां 45,000 से ज्यादा परिवार रहते हैं, वहां गैंडे

अब नियमित रूप से गांवों और सड़कों पर आते-जाते रहते हैं। वे लोगों के बगीचों में चरते हैं, होटलों के लॉन पर सोते हैं और मोटरबाइक स्टैंड के पास से गुजरते हैं।

स्थानीय लोग इन जानवरों के साथ जीना सीख चुके हैं। ज्यादातर समय गैंडे शांत स्वभाव के होते हैं और इंसानों से दूर रहते हैं। पर्यटक इनके साथ सेल्फी लेते हैं और वीडियो बनाते हैं। सौराहा में कई होटल और रिसॉर्ट का नाम ही 'राइनो' से जुड़ा है– Rhino Lodge, Hotel Rhino Land आदि। पर्यटकों के लिए यह बड़ा आकर्षण है। कई बार पर्यटक पार्क में गैंडा नहीं देख पाते, लेकिन सड़क पर आराम से घूमता गैंडा देख लेते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी फायदा होता है। हालांकि यह सह-अस्तित्व हमेशा शांतिपूर्ण नहीं रहता। कुछ मामलों में गैंडों के हमलों में लोग घायल या दुर्भाग्यवश जान भी गंवा चुके हैं। पार्क के आसपास के इलाकों में मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ा है। किसान रात में फसलों की रखवाली के लिए वॉच टावर बनाते हैं। फिर भी ज्यादातर स्थानीय लोग इन जानवरों को अपनी संस्कृति और पर्यटन का हिस्सा मानते हैं।

बीजेपी ने पंजाब की जनता की रास सीटों को हड़पा : केजरीवाल

» आप संयोजक बोले- हम अगले साल फरवरी के चुनाव में लेंगे बदला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पंजाब की जनता की राज्यसभा सीटों को हड़पने का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगाया गया जब आम आदमी पार्टी के सात सांसदों ने भाजपा में शामिल हो गए। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी आगामी फरवरी चुनावों में इस कथित लूट का बदला लेगी। राजधानी में अपने पार्टी सदस्यों को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि सात लोग जो आम आदमी पार्टी छोड़कर चले गए हैं, भाजपा ने चोरी की है। ये छह राज्यसभा सीटें पंजाब की जनता की थीं। भाजपा ने उन्हें लूट लिया है।

भाजपा लोकतंत्र का अपहरण और हत्या कर रही है

हम अगले साल फरवरी में इसका बदला लेंगे। उनकी ये टिप्पणी भाजपा सांसद राघव चड्ढा के उन आरोपों के जवाब में आई है, जिनमें उन्होंने पंजाब सरकार पर आम आदमी पार्टी के उन पूर्व सांसदों को निशाना बनाने का आरोप लगाया था, जिन्होंने पाला बदलकर भाजपा में शामिल हो गए थे। चड्ढा ने इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर पंजाब सरकार पर सांसदों को डराने-धमकाने और उनके संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करने पर उन्हें निशाना बनाने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया था। इस बीच, केजरीवाल ने अपने संबोधन में भाजपा द्वारा लोकतंत्र का अपहरण और हत्या किए जाने पर चिंता व्यक्त की और पश्चिम बंगाल और असम में पार्टी की विवादास्पद जीत का उदाहरण दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा अपने विरोधियों को कमजोर करने के लिए मतदाता सूची से नाम हटाने जैसी हथकंडे अपना रही है, और विशेष रूप से 25 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में अपनी हार का जिक्र किया। केजरीवाल ने कहा कि वे सभी वोट रद्द कर देते हैं, और कुछ भी नहीं बचता। यही अराजकता पूरे देश में हो रही है।

मान की शुकराना यात्रा का आगाज, राज्यभर की संगत से करेंगे मुलाकात

जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट अमेंडमेंट 26 के लागू होने के बाद सीएम भगवंत मान आज शुकराना यात्रा की शुरुआत करेंगे। यात्रा नौ मई को सम्पन्न होगी। यात्रा का आगाज सीएम श्री आनंदपुर साहिब में तख्त श्री केसगढ़ साहिब पर नतमस्तक होकर करेंगे। श्री आनंदपुर साहिब से शुरुआत कर, रोपड़, बलाचौर, बंगा, फगवाड़ा से यात्रा गुजरेगी। दूसरे दिन जालंधर से होते हुए बाबा बकाला, अमृतसर, तरनतारन, जीरा, फरीदकोट, कोटकपूरा में यात्रा होगी। तीसरे दिन बठिंडा, तख्त श्री दमदमा साहिब तलवंडी साबो, सरदूलगढ़, मानसा, बरनाला, सुनाम और अंत में संगरूर, समाना, पटियाला से होते हुए श्री फतेहगढ़ साहिब में यात्रा संपन्न होगी।

टीवीके जैसी पार्टी का जीतना अच्छी बात : कनिमोई

» तमिलनाडु में हार के बाद डीएमके की नेता करुणानिधि ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। डीएमके की वरिष्ठ नेता कनिमोई करुणानिधि ने कहा कि हमने एक साथ विधानसभा चुनाव लड़ा था और एक साथ हारे हैं। हर पार्टी को अपना अच्छा बुरा सोचने का अधिकार होता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में टीवीके जैसी पार्टी का जीतना अच्छी बात है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के जो नतीजे सामने आए हैं, उसे थलापति विजय की लहर कहेंगे या फिर एंटी डीएमके वोट को इसका कारण कहेंगे? इस पर कनिमोई ने कहा, अभी ये कहना बड़ी जल्दबाजी होगा कि तमिलनाडु में आए, परिणामों के पीछे क्या वजह रही, हम इसी समीक्षा करेंगे।

हालांकि, चुनाव के नतीजों से साफ जाहिर हो रहा है कि तमिलनाडु की जनता बदलाव चाहती थी और वोटर्स कुछ अलग विकल्प तलाश रहे थे। कनिमाई ने कहा, डीएमके ने इससे पहले कई राजनीतिक जीत और हार देखी हैं. अब हम इस हार की समीक्षा करेंगे और जानने की कोशिश करेंगे कि आखिर तमिलनाडु की जनता बदलाव और नया विकल्प क्यों तलाश रही थी? हर पार्टी हार और जीत के बाद समीक्षा करती है, हालांकि, अभी इस बारे में कुछ भी कह पाना मुश्किल होगा।

सीएम मान बताएं कि राघव को ताकत किसने दी : अमरिंदर सिंह राजा

» कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद ने उठाए आप पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सांसदों (पंजाब से छह) का बीजेपी में शामिल होना एक राजनैतिक मुद्दा बनता दिख रहा है। कांग्रेस के पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने आप और बीजेपी दोनों पर हमला बोला है।

वारिंग ने चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत करते हुए आप पर हमले किए। उन्होंने कहा कि भगवंत मान बताएं कि राघव चड्ढा को ताकत किसने दी। पंजाब के कमांडो उदयपुर में बारातियों को सैल्यूट मारते रहे। वारिंग ने मान ने ही कपूरथला हाउस शादी के लिए खोला। वहां पर नाचने का काम भी किया। वारिंग ने मान पर हमला बोलते हुए कहा कि अब आप ही राघव चड्ढा को गद्दार कह रहे हैं। वारिंग ने कहा कि राघव चड्ढा गद्दार है इसमें कोई शक नहीं लेकिन अब आप अपने फैसलों को छुपाने के लिए राष्ट्रपति से मिल रहे हैं। वहीं विशेष सत्र के दौरान एक बड़ा विवाद भी खड़ा हो गया था जब विपक्षी दलों कांग्रेस और अकाली दल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर शराब पीकर सदन में आने का आरोप लगाया। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी ने हंगामा किया और सदन से वॉकआउट कर दिया। विधानसभा के बाहर विपक्ष ने शराबी मुख्यमंत्री मुर्दाबाद के नारे लगाए।

जनता के फैसले का हो सम्मान: फारूक

» बोले- नई सरकारें सभी नागरिकों के समावेशी विकास के लिए करें काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पांच राज्यों के चुनाव परिणामों को जनता का अंतिम फैसला बताते हुए कहा कि इसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने नई सरकारों से आग्रह किया कि वे देश की एकता को बनाए रखते हुए सभी नागरिकों के समावेशी विकास के लिए काम करें। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक ने चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का फैसला अंतिम है और उसका सम्मान किया जाना चाहिए।

बुडगाम में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि लोगों ने जो फैसला लिया है, वह आपके सामने है, मैं इसमें क्या कर सकता हूं? नई सरकारें आ गई हैं,

अल्लाह उन्हें जनता के भले के लिए काम करने की तौफीक दे। फारूक ने आगे कहा कि यह देश सभी नागरिकों का है और समावेशी विकास की आवश्यकता पर बल दिया। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चे ने जीत दर्ज की, जबकि अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कज़गम ने तमिलनाडु में जीत हासिल की। अब्दुल्ला ने कहा कि नई सरकारों को सभी की प्रगति के लिए काम करना चाहिए। चुनाव परिणामों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मेरी प्रतिक्रिया क्या हो सकती है? जनता का फैसला आपके सामने है। मैं इसके बारे में क्या कर सकता हूं? जम्मू और कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि नई सरकारें चुनी गई हैं। ईश्वर उन्हें जनता के लिए अच्छा काम करने की शक्ति दे। उन्हें याद रखना चाहिए कि यह देश हम सभी का है, चाहे धर्म और भाषा कुछ भी हो उन्हें इसका ख्याल रखना चाहिए और सभी की प्रगति होनी चाहिए।

यह राष्ट्र हम सभी का है इसकी देखभाल करें

उन्होंने कहा कि यह राष्ट्र हम सभी का है, इसकी देखभाल करें और सुनिश्चित करें कि सभी प्रगति करें। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव परिणामों ने मिश्रित राजनीतिक परिदृश्य प्रस्तुत किया है। बंगाल और असम में भाजपा का मजबूत प्रदर्शन रहा, जबकि अन्य क्षेत्रों में क्षेत्रीय और विपक्षी दलों ने जीत हासिल की, जो मतदाताओं की विविध चुनावी पसंद को दर्शाती है।

झूठ का ढोल हैं गोविंद सिंह डोटासरा : रावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उदयपुर। राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने राज्य सरकार की योजनाओं और विपक्ष पर खुलकर अपनी बात रखी। रावत ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वे झूठ का ढोल हैं और बिना तथ्यों के बयानबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार पद पर रहते हुए इस तरह की राजनीति करना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार किसान और आमजन की भावनाओं के अनुरूप कार्य कर रही है। सरकार किसी दबाव में नहीं आती और जनहित में फैसले लेती है। रावत ने कहा कि वे भ्रम फैलाने की बजाय रचनात्मक भूमिका निभाएं। जल परियोजनाओं पर बोलते हुए मंत्री ने बताया कि जाखम बांध से जयसमंद झील, बड़गांव डेम, मातृकुंडिया डेम होते हुए मेजा बांध तक पानी डायवर्जन की पुरानी मांग पर सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।

टी20 रैंकिंग में भारत शीर्ष पर बरकरार

» शीर्ष सात स्थानों में नहीं हुआ बदलाव, अमेरिका ने लगाई लंबी छलांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। आईसीसी ने पुरुष टी20 टीम की ताजा रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारत शीर्ष स्थान पर मजबूती के साथ खड़ा है। भारत 275 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ नंबर-1 पायदान पर है। दूसरे स्थान पर मौजूद इंग्लैंड (262) से काफी आगे है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम 258 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत ने इस फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया है। टीम इंडिया ने साल 2024 और 2026 में लगातार दो बार पुरुष टी20 विश्वकप अपने नाम किया है। टॉप-7 रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

न्यूजीलैंड (247) चौथे, दक्षिण अफ्रीका (244) पांचवें स्थान पर है। पाकिस्तान (240) और वेस्टइंडीज (233) क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर बने हुए हैं। जबकि बांग्लादेश एक रेटिंग प्वाइंट हासिल करके आठवें स्थान पर पहुंच गया है। क्योंकि श्रीलंका छह प्वाइंट्स गंवाकर नौवें स्थान पर खिसक गया। अफगानिस्तान 10वें स्थान पर है। कई टीमों ने शानदार छलांग लगाई है। जिसमें अमेरिका छह रेटिंग अंक हासिल कर दो स्थान ऊपर चढ़ते हुए 13वें स्थान पर पहुंच गई। उसने नीदरलैंड्स और स्कॉटलैंड को पछाड़ दिया, जो अब क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। नामीबिया 16वें स्थान पर बरकरार है, जबकि नेपाल और ओमान ने एक-एक स्थान की छलांग लगाते हुए क्रमशः 17वें और 19वें स्थान पर जगह बनाई। निचले हिस्से में इटली सबसे ज्यादा फायदा उठाने वाली टीमों में रही, जिसने 11 अतिरिक्त रेटिंग अंक हासिल कर तीन स्थान की छलांग लगाते हुए 23वां स्थान हासिल किया। वहीं, स्पेन और साइप्रस ने भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया, जबकि मोजाम्बिक को बड़ा झटका लगा और वह 15 स्थान नीचे खिसक गई।

गेंदबाजों के बाद चला संजू का जादू, दिल्ली को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली। संजू सैमसन के नाबाद अर्धशतक और कार्तिक शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए हुई 114 रनों की अविजित साझेदारी के दम पर सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में सीएसके ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर जीत दर्ज की। सीएसके की जीत के हीरो सैमसन रहे जिन्होंने नाबाद 87 रन बनाए। जबकि कार्तिक शर्मा 41 रन बनाकर नाबाद रहे। सीएसके की टीम 10 मैचों में पांच जीत और पांच हार के साथ 10 अंक लेकर अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स 10 मैचों में चार जीत और छह हार के साथ आठ अंक लेकर तालिका में सातवें नंबर पर मौजूद है। इससे पहले, दिल्ली की शुरुआत खराब रही और टीम ने नियमित अंतराल पर विकट गंवाए। जिससे टीम ने 11 ओवर में 69 रन तक पांच विकेट गंवा दिए। इसके बाद स्टब्स और समीर रिजवी के बीच छठे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी के दम पर दिल्ली सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सका। रिजवी ने नाबाद 40 रन बनाए। वहीं, स्टब्स ने 38 रन बनाए।

तमिलनाडु में नई सरकार को लेकर मची रार

टीवीके सरकार बनने के पूरे आसार, कांग्रेस व एआईडीएमके के एक धड़े का विजय को सीएम बनाने का समर्थन

» डीएमके ने कांग्रेस को घेरा बोली- उसका काम पीठ में छुरा घोंपने जैसा, एआईडीएमके में बड़ी टूट के संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु में टीवीके के सरकार बनने क आसार प्रबल हो गए है। कांग्रेस ने उसे समर्थन देने का फैसला किया है। उधर एआईडीएमके के कई विधायक विजय थलापति को समर्थन देने के पक्ष में हैं ऐसे में पार्टी के टूटने की स्थिति बन गई है। उधर डीएमके ने कांग्रेस का समर्थन देने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) की ऐतिहासिक जीत के बाद राज्य में सत्ता का नया केंद्र उभर आया है। इस बदलाव ने वर्षों पुराने धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन को तार-तार कर दिया है। डीएमके ने अपनी पुरानी सहयोगी कांग्रेस पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए उसे पीठ में छुरा घोंपने वाला करार दिया है।

स्टालिन की वजह से ही कांग्रेस को मिली 5 सीटें : सरवनन अन्नादुरई

डीएमके के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने बताया कि कांग्रेस को विधानसभा की जो पाँच सीटें मिली हैं, वे केवल निवर्तमान मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की वजह से ही संभव हो पाईं। अपने एक्स अकाउंट पर पीठ में छुरा घोंपने वाले शब्द का इस्तेमाल करते हुए, अन्नादुरई ने कांग्रेस को याद दिलाया कि जब भाजपा राहुल गांधी को पप्पू कहकर ट्रोल कर रही थी, तब स्टालिन ही थे जिन्होंने उन्हें प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश किया था।

उनकी यह टिप्पणी कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के देर रात किए गए एक पोस्ट के जवाब में आई, जिसमें उन्होंने गठबंधन का फ़ैसला राज्य इकाई पर छोड़ दिया था।

तमिलनाडु में घटनाक्रम तेज़ी से बदला और सूत्रों के अनुसार, राज्य कांग्रेस इकाई ने विजय की टीवीके के साथ गठबंधन करने का फ़ैसला कर लिया। एक वर्चुअल बैठक में टीवीके को सशर्त समर्थन देने का प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें कैबिनेट में पद और कुछ बोर्डों की अध्यक्षता की मांगें भी शामिल थीं। समर्थन की घोषणा करने वाला एक औपचारिक पत्र कल जारी होने की उम्मीद है, जिसके बाद कांग्रेस के विधायक पनायूर में विजय से मुलाक़ात कर सकते हैं। टीवीके ने भी इस बात की पुष्टि की है कि पार्टी से संदेश मिलने के बाद कांग्रेस के साथ गठबंधन पक्का हो गया है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम के साथ बातचीत और तालमेल का काम देख रहे हैं।

विजय के पिता चंद्रशेखर की थी पहल

इससे पहले, विजय के पिता चंद्रशेखर ने कांग्रेस से टीवीके के साथ गठबंधन करने की खुली अपील की थी, और कहा था कि यह अभिनेता-राजनेता आपको वह सत्ता वापस दिलाएगा जो आपने खो दी है। उन्होंने कहा कांग्रेस का एक इतिहास और परंपरा है। ऐसी कांग्रेस, आखिर कमज़ोर क्यों पड़ रही है? सत्ता की कमी के कारण। किसी दूसरी पार्टी का समर्थन करके, वे कमज़ोर होते जा रहे हैं। वह सत्ता हम देंगे—नहीं, हम नहीं, बल्कि विजय देने के लिए तैयार हैं। अगर आपको वह सत्ता मिल जाती है, तो कांग्रेस अपना इतिहास बचाए रख सकती है। उन्हें इस मौके का फ़ायदा उठाना चाहिए।

एआईडीएमके के 30 से ज़्यादा विधायक विजय की टीवीके का थाम सकते हैं दामन

राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टी एआईडीएमके (अन्नाद्रमुक) इस समय गहरे आंतरिक संकट और विभाजन के कगार पर खड़ी है। ताज़ा रिपोर्ट्स के अनुसार, पार्टी के 47 विधायकों में से 30 से अधिक विधायक अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को समर्थन देने पर विचार कर रहे हैं। अन्नाद्रमुक के भीतर असंतोष उस समय खुलकर सामने आ गया जब विधायकों के एक बड़े गुट ने आलाकमान से मांग की कि राज्य में अगली सरकार बनाने के लिए टीवीके का समर्थन किया जाए। इस विवाद के कारण पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक को भी टालना पड़ा है।

सीवी शनमुगम का नेतृत्व

राज्यसभा सांसद और पार्टी के वरिष्ठ नेता सीवी शनमुगम इन नाराज़ विधायकों का नेतृत्व कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि शनमुगम के आवास पर बागियों की एक गुप्त बैठक होने की संभावना है, जहाँ आगे की रणनीति तय की जाएगी।

ईपीएस को चेतावनी

पार्टी प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी को परोक्ष रूप से चेतावनी दी गई है कि यदि उन्होंने जल्द ही सरकार गठन में टीवीके का साथ देने का फैसला नहीं लिया, तो 30 से ज़्यादा विधायक सामूहिक रूप से पार्टी छोड़ सकते हैं।

केरल में सीएम की कुर्सी पर माथापच्ची सोनिया से मिले वेणुगोपाल और चेन्निथला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर पहुंचे। विधानसभा चुनावों में मिली शानदार जीत के बाद पार्टी को अभी केरल के अगले मुख्यमंत्री का चयन करना बाकी है। केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला, विपक्ष के नेता वीडी सतीशान के साथ केरल के मुख्यमंत्री पद की दौड़ में प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं।

इससे पहले चेन्निथला ने कहा था कि इन सभी मुद्दों पर अंतिम फैसला पार्टी ही लेगी। केरल में हमें शानदार जीत मिली है... अब बाकी मामलों पर कांग्रेस हाई कमांड फैसला करेगी। कांग्रेस पार्टी में कई नेता हैं, लेकिन हाई कमांड जो भी फैसला करेगी, सभी कांग्रेस नेता उसे स्वीकार करेंगे। केरल में कांग्रेस ने सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जहां पार्टी के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने विधानसभा चुनावों में भारी जीत दर्ज करते हुए 140 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटें जीती हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी ने अपने नेताओं अजय माकन और मुकुल वासनिक को पर्यवेक्षक नियुक्त किया है ताकि नवनिर्वाचित विधायकों के विचार जानकर मुख्यमंत्री का चयन किया जा सके। इससे पहले, केसी वेणुगोपाल ने केरल की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केरल की जनता ने कांग्रेस पार्टी और यूडीएफ गठबंधन पर अपना विश्वास जताया है। उन्हें राहुल गांधी और खरगे जी के नेतृत्व पर भरोसा है।

यूडीएफ की जीत को राज्य में एक बड़ा राजनीतिक बदलाव माना जा रहा है, जो कांग्रेस और उसके सहयोगियों के बढ़ते समर्थन को दर्शाता है और राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के मार्गदर्शन में पार्टी के प्रभाव को और मजबूत करता है।

असम में 12 मई को हो सकता है नई सरकार का शपथ ग्रहण

असम में 12 मई को हो सकता है नई सरकार का शपथ ग्रहण। सूत्रों ने बताया कि बंगाल में शपथ ग्रहण के बाद असम में एनडीए सरकार का शपथ होगा। आज ही सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। असम में लगातार तीसरी बार बीजेपी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने वाली है। माना जा रहा है कि हिमंता बिस्वा सरमा ही एक बार फिर से राज्य के सीएम बनेंगे। असम में हिमंता ने पूरे चुनाव की बागडोर संभाली थी। 126 सीटों वाली विधानसभा में बीजेपी ने अकेले दम पर 82 सीटें जीती हैं। जबकि सहयोगी दलों को मिलकार 102 सीटों पर एनडीए ने जीत दर्ज की है। बीजेपी ने असम में नेता के चयन के लिए पूर्व पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और हरियाणा के सीएम नायाब सिंह सैनी को जिम्मेदारी सौंपी है।नड्डा को पर्यवेक्षक और सैनी को सह पर्यवेक्षक बनाया गया है. बताया जा रहा है कि इस सप्ताह के अंत तक बीजेपी के पर्यवेक्षक गुवाहाटी पहुंचेंगे और फिर विधायक दल के नेता का चयन किया जाएगा. हिमंता के ही सीएम बनने की उम्मीद है. हालांकि, बीजेपी की तरफ से अभी इसको लेकर कोई आधिकारी ऐलान नहीं किया गया है. लेकिन असम में बीजेपी ने हिमंता के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ा था।

समाजवादी पार्टी ने रद्द की आईपैक संग डील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी चुनाव से पहले अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने बड़ा फैसला लेते हुए आईपैक से अपना करार रद्द कर दिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तकरीबन ढाई महीने पहले इलेक्शन मैनेजमेंट और सोशल मीडिया से जुड़ा कम दो कंपनियां आईपैक और शो टाइम को दिया था.अब आईपैक समाजवादी पार्टी के लिए काम नहीं करेगी।

आईपैक की टीम खास तौर पर उन सीटों पर समाजवादी पार्टी के लिए काम कर रहा थी जहां पिछली बार हार का मार्जिन बहुत कम था। आईपैक की ज्यादा तर टीम उत्तर प्रदेश के बाहर से ही काम कर रही थी अब आईपैक समाजवादी पार्टी के लिए काम नहीं करेगी शो टाइम अपना काम जारी रखेगी।

सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल में निशांत कुमार मंत्री बनेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जनता दल यूनाइटेड में औपचारिक रूप से शामिल होने के बाद निशांत कुमार ने फिलहाल किसी पद में अपनी रुचि नहीं दिखाई थी। वह यात्रा पर हैं। राजनीति को समझने की बात कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री की कुर्सी से नीतीश कुमार के हटने की चर्चा शुरू होने के बाद उन्हें कभी सीएम तो कभी डिप्टी सीएम बनाने की बात हो रही थी। सम्राट चौधरी बिहार के मुख्यमंत्री घोषित हुए तो भी मिडिया का एक बड़ा वर्ग निशांत को डिप्टी सीएम के रूप में आगे कर रहा था। वह नहीं

हुआ। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपने दो पुराने और विश्वसनीय नेताओं को डिप्टी सीएम की कुर्सी दी। अब जब मंत्रिमंडल विस्तार हो रहा है, तो एक बार फिर निशांत कुमार का नाम उछला है। उन्हें मंत्री बनाने की चर्चा चल रही है, हालांकि जनता दल यूनाइटेड के दिग्गज और नीतीश कुमार को समझने वाले नेता बगैर सामने आए इस संभावना से इनकार कर रहे हैं।

पंजाब में धमाकों पर घमासान

सीएम मान ने कहा-भाजपा ने करवाए ब्लास्ट बीजेपी का पलटवार-सबूत दें या फिर इस्तीफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में अमृतसर और जालंधर में मंगलवार रात हुए धमाकों पर अब सियासत भी गरमा गई है। सीएम भगवंत मान ने श्री आनंदपुर साहिब में कहा कि इन धमाकों की जांच चल रही है। यह पंजाब चुनावों के लिए भाजपा की तैयारी है। भाजपा लोगों के बीच हिंसा और डर फैलाकर वोट हासिल करती है।

मैं भाजपा से कहना चाहता हूं कि वह ऐसा करना बंद करे। पंजाब के लोग हमेशा शांति चाहते हैं। बीजेपी को जहां भी चुनाव लड़ना होता है, वह वहां जाकर झगड़े करवाती है। मान पंजाब के गृह मंत्री भी हैं। वहीं भाजपा ने सीएम के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। भाजपा की तरफ से सीएम को अपने आरोपों के सबूत देने के लिए

कहा गया है। साथ ही भाजपा ने कहा कि अगर बिना सबूत सीएम मान ने ये बात कही है तो इस्तीफा दें। भाजपा की तरफ से कहा गया कि लगता है कि भगवंत मान की दिमागी हालत ठीक नहीं है। उनको इस्तीफा दे देना चाहिए और अपना सही इलाज करवाना चाहिए। पंजाब एक बॉर्डर वाला राज्य है और वे इसे मैनेज करने में पूरी तरह फेल हो गए हैं। भाजपा पर कीचड़ उछालकर जो गंदी पॉलिटिक्स कर रहे हैं, वह उनकी घटिया सोच का सबूत है।

हिंदुस्तान में ब्लास्ट होते रहते हैं, कौन सी ये नई बात है : फारूक अब्दुल्ला

फारूक नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पंजाब में हाल ही में हुए दोहरे विस्फोटों पर उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में धमाके होते रहते हैं, कौन सी नई बात है। आपको बता दें कि पंजाब के जालंधर में हुए विस्फोट के करीब तीन घंटे बाद अमृतसर में खासा के सेना छावनी क्षेत्र के पास मंगलवार देर रात एक और विस्फोट हुआ। जालंधर में मंगलवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पंजाब फ्रंटियर के मुख्यालय के बाहर विस्फोट हुआ था।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 । Email : daily4pm@gmail.com । website: www.4pm.co.in ।
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा